

स्वर्गवाणी स्त्री. (तत्.) स्वर्ग से होने वाली देववाणी, आकाश-वाणी।

स्वर्गवास पुं. (तत्.) 1. स्वर्ग में निवास 2. मृत्यु हो जाने पर आत्मा का स्वर्ग में वास करना।

स्वर्गवासिनी स्त्री. (तत्.) 1. स्वर्ग में रहने वाली अप्सरा 2. जो मृत्यु को प्राप्त होकर स्वर्ग गई हो, मर कर स्वर्ग गई हुई कोई स्त्री।

स्वर्गवासी वि. (तत्.) 1. स्वर्ग में रहने वाला 2. जो मर कर स्वर्ग गया हो, जिसकी मृत्यु हो गई हो जैसे- आज पितामह स्वर्गवासी हो गए।

स्वर्गश्री स्त्री. (तत्.) स्वर्ग की शोभा, स्वर्ग का वैभव/ऐश्वर्य।

स्वर्ग साधन पुं. (तत्.) स्वर्ग प्राप्ति के दान-तप यज्ञ आदि पवित्र साधन, उपाय।

स्वर्गसार पुं. (तत्.) संगी. संगीत विधा में ताल के चौदह भेदों में से एक।

स्वर्गसुख पुं. (तत्.) 1. स्वर्ग के समान साधनों की उपलब्धि का सुख 2. स्वर्ग जैसे मनोवांछित भोगों का सुख।

स्वर्गस्त्री स्त्री. (तत्.) स्वर्ग में रहने वाली अप्सरा।

स्वर्गस्थ वि. (तत्.) 1. जो स्वर्ग में स्थित हो 2. जिसकी मृत्यु हो चुकी हो, स्वर्गीय।

स्वर्गाधिप पुं. (तत्.) स्वर्ग का अधिपति, स्वामी, इंद्र।

स्वर्गापगा स्त्री. (तत्.) स्वर्ग से निकलने वाली नदी मंदाकिनी, आकाशगंगा।

स्वर्गारूढ़ वि. (तत्.) जो स्वर्ग पर पहुँच गया हो, स्वर्ग सिधारा हुआ, मृत।

स्वर्गारोहण पुं. (तत्.) स्वर्ग की ओर ऊपर जाना, आरोहण करना 2. स्वर्गमान 3. मरकर स्वर्ग गमन करना जैसे- पांडवों का स्वर्गारोहण।

स्वर्गवास पुं. (तत्.) 1. स्वर्ग में निवास 2. स्वर्गवास।

स्वर्गिक वि. (तत्.) 1. जो स्वर्ग जैसा हो जैसे- स्वर्गिक सुख 2. स्वर्गीय।

स्वर्गी वि. (तत्.) स्वर्ग का, स्वर्ग में रहने वाला, स्वर्गीय पुं. देवता।

स्वर्गीय वि. (तत्.) 1. जो स्वर्ग से संबंधित हो, स्वर्ग का 2. स्वर्ग 3. मृत व्यक्ति के लिए सम्माननीय शब्द 4. जो सौंदर्य व पवित्रता की दृष्टि से अनुपम हो जैसे- स्वर्गीय छवि।

स्वर्ग्य वि. (तत्.) 1. स्वर्ग से संबंधित 2. स्वर्ग जाने/पहुँचाने के योग्य 3. स्वर्ग दिलाने वाला।

स्वर्चन पुं. (तत्.) वह अग्नि जिससे सुंदर ज्वाला निकलती हो।

स्वर्जि स्त्री. (तत्.) 1. शोरा 2. सज्जी मिट्टी।

स्वर्जिक वि. (तत्.) सज्जी मिट्टी, शोरा।

स्वर्जिकाक्षार पुं. (तत्.) मिट्टी की तरह का एक प्रकार का प्रसिद्ध क्षार जो सफेदी लिए हुए भूरे रंग का होता है।

स्वर्जित वि. (तत्.) 1. जिसने स्वर्ग पर विजय प्राप्त कर ली हो, स्वर्ग विजेता 2. एक प्रकार का यज्ञ।

स्वर्ण पुं. (तत्.) 1. पीले रंग की दीप्ति युक्त या चमकीली एक बहुमूल्य धातु 'सोना', कनक, सुवर्ण 2. धतूरा 3. नागकेशर 4. कामरूप देश की एक नदी वि. सोने जैसा पीला।

स्वर्णकाय वि. (तत्.) 1. जिसकी काया सोने की हो अथवा सोने जैसी हो 2. सुनहले शरीर वाला, गरुड़।

स्वर्णकार पुं. (तत्.) एक जाति जो सोने-चाँदी के आभूषण बनाती है, सुनार वि. सोने-चाँदी से संबंधित गहने बनाने का काम करने वाला।

स्वर्णकारी स्त्री. (तत्.) सोने-चाँदी आदि धातुओं के गहने बनाने का व्यवसाय या वृत्ति।

स्वर्णकूट पुं. (तत्.) हिमालय पर्वत की एक चोटी।

स्वर्णकेतकी स्त्री. (तत्.) पीले रंग की केतकी (पुष्प पादपक विशेष), पीले रंग का केतकी का फूल।